637 करोड़ रुपये में अमेरिकी आर्टिस्ट जेफ कूंस की रैबिट की आकृति बिकी है। न्यूयार्क में क्रिस्टी द्वारा आयोजित नीलामी में कलाकृति की रिकार्ड बोली लगी। स्टील की यह आकृति पिछले सारे रिकॉर्ड तोड़कर सबसे महंगी कलाकृति बन गई है।

समलैंगिक विवाह को मंजूरी देने वाला पहला एशियाई देश बना ताइवान

ताइपे, रायटर : ताइवान की संसद ने समलैंगिक शादी को वैध ठहराने वाला बिल शुक्रवार को बहुमत से पारित कर दिया। इस ऐतिहासिक फैसले के साथ ही ताइवान समलैंगिक विवाह को मंजूरी देने वाला पहला एशियाई देश बन गया। बारिश के बावजूद संसद के बाहर खड़ी हजारों लोगों की भीड़ यह सूचना मिलते ही खुशी से झूम उठी।

ताइवान की संवैधानिक अदालत ने 2017 में समलैंगिकों को विवाह करने का अधिकार दे दिया था। कोर्ट ने इस संबंध में कानून बनाने के लिए दो साल की समयसीमा तय की थी जो 24 मई को समाप्त हो रही थी।

इस समयसीमा से पहले ही सत्तारूढ़ डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव पार्टी (डीपीपी) के सांसदों के समर्थन से नया बिल 27 के मुकाबले 66 वोट से पारित हो गया। पिछले साल हुए जनमत संग्रह में देश की जनता ने समलैंगिकों के शादी के अधिकार को खारिज कर दिया था। विपक्षी दल इसी का हवाला देते हुए नए कानून का विरोध कर रहे थे। माना जा रहा है कि इस कानून के कारण अगले साल होने वाले चुनाव में राष्ट्रपति साई इंग वेन की जीत मुश्किल हो सकती है।

वैवाहिक समानता की समर्थक साई ने हालांकि नए कानून पर वोटिंग से पहले ट्वीट किया, 'आज हमारे पास इतिहास रचने और दुनिया को यह दिखाने का मौका है कि पूर्वी एशियाई समाज भी प्रगतिशील मूल्यों को स्वीकार सकता है।'

ताइवान की संसद में समलैंगिक शादी के बिल को मंजूरी दिए जाने पर शुक्रवार को राजधानी ताइपे में खुशी व्यक्त करते समर्थक। रायटर

यूक्रेन में सत्तारूढ़ गठबंधन में दरार, जल्द हो सकते हैं चुनाव

कीव, रायटर : यूक्रेन के सत्तारूढ़ गठबंधन में शुक्रवार को दरार पड़ गई। पीपुल्स फ्रंट पार्टी ने यूक्रेन के निवर्तमान राष्ट्रपति पेट्रो पोरोशेंको की पार्टी के साथ अपना गठजोड़ खत्म कर दिया। ऐसे में देश में जल्द संसदीय चुनाव कराए जाने की संभावना बन गई है।

सत्तारूढ़ गठबंधन से अलग होने की जानकारी देते हुए पीपुल्स फ्रंट के नेता मकसिम बरवक ने कहा, 'हमने मौजूदा गठबंधन और उसकी गतिविधियों से अलग होने की घोषणा करने के साथ ही नए एजेंडे के साथ नया गठबंधन बनाने की पहल की है।'

यदि एक महीने के भीतर संसद में नया गठबंधन नहीं बन पाता है तो नवनिर्वाचित राष्ट्रपति वोलोदीमीर जेलेंस्की संसद भंग कर जल्द चुनाव कराने का आदेश दे सकते हैं। अप्रैल में हुए राष्ट्रपति चुनाव में जेलेंस्की ने पोरोशेंको को भारी मतों से हराया था। वह सोमवार को राष्ट्रपति का कार्यभार संभालेंगे। 450 सदस्यीय संसद में फिलहाल उनकी पार्टी का कोई प्रतिनिधित्व नहीं है। ऐसे में जल्द चुनाव होने से उनकी पार्टी के पास संसद में अपनी मौजूदगी दर्ज कराने का मौका होगा।

भारतीय पेशेवर को एच-1बी वीजा न देने पर अमेरिकी सरकार पर मुकदमा

- आइटी कंपनी की तरफ से दाखिल मुकदमे में इसे 'मनमाना' और 'अधिकारों का स्पष्ट दुरुपयोग' बताया गया
- नौकरी को वीजा के योग्य नहीं मानते हुए आवेदन किया गया खारिज

वाशिंगटन, प्रेट्र : सिलिकॉन वैली स्थित एक सूचना प्रौद्योगिकी (आइटी) कंपनी ने एक उच्च शिक्षित भारतीय को एच-1बी वीजा न दिए जाने पर अमेरिकी सरकार के खिलाफ मुकदमा दाखिल किया है। कंपनी ने इसे 'मनमाना' और 'अधिकारों का स्पष्ट दुरुपयोग' करार दिया है।

मुकदमे में जेट्रा सॉल्यूशंस ने आरोप लगाया है कि अमेरिकी नागरिकता एवं आव्रजन सेवा (यूएससीआइएस) ने प्रहर्ष चंद्र साई वेंकट अनीसेट्टी को अनुचित तरीके से एच-1बी वीजा देने से मना किया है। उन्हें कंपनी में बिजनेस सिस्टम एनालिस्ट के रूप में नियुक्त किया गया था। इसमें कहा गया है कि अनीसेट्टी की तरफ से कंपनी ने एच-1बी वीजा के लिए आवेदन किया था। आवेदन को इस आधार पर खारिज कर दिया गया कि अनीसेट्टी को जिस नौकरी की पेशकश की गई है, वह एच-1बी वीजा के योग्य नहीं है। एच-1बी वीजा विशेष योग्यता के कामों के लिए मिलता है।

कंपनी ने अमेरिका की जिला अदालत से यूएससीआइएस के आदेश को निरस्त करने का आग्रह किया है। साथ ही कहा है, 'वीजा आवेदन को अमान्य बताते हुए पर्याप्त आधार नहीं दिए गए हैं। यह एक मनमाना तथा बिना सोच-समझ वाला निर्णय है। यह प्राप्त अधिकारों का स्पष्ट दुरुपयोग है।'

अनीसेट्टी के पास इंजीनियरिंग (इलेक्ट्रॉनिक्स एवं कम्यूनिकेशन इंजीनियरिंग) में स्नातक और टेक्सास विश्वविद्यालय से सूचना प्रौद्योगिकी एवं प्रबंधन में स्नातकोत्तर की डिग्री है। उनके पास वर्तमान में पत्नी के जरिये वैध एच-4 आश्रित वीजा है। उनकी पत्नी के पास एच-1बी वीजा है। टेक्सास विश्वविद्यालय में सूचना प्रौद्योगिकी और प्रबंधन विषय में स्नातकोत्तर की पढ़ाई के दौरान वर्ष 2014 से 2016 तक अनीसेट्टी के पास वैध एफ-1 गैर-अप्रवासी दर्जा था।

विदेशी कर्मियों को नियुक्ति का अधिकार देता है एच-1बी वीजा

एच-1बी वीजा एक गैर-अप्रवासी वीजा है, जो अमेरिकी कंपनियों को तकनीकी तौर पर कुशल विदेशी कर्मचारियों की नियुक्ति का अधिकार देता है। प्रौद्योगिकी कंपनियां हर साल ऐसे हजारों कुशल कर्मचारियों की नियुक्ति के लिए भारत तथा चीन जैसे देशों पर निर्भर हैं।

अमेरिकी वायु सेना ने गलती से 17 अफगानी जवानों को मार डाला

काबुल, आइएएनएस: अमेरिकी वायुसेना ने गलती से अफगानी पुलिस पर हमला कर दिया। इसमें 17 अफगानी पुलिस अधिकारी मारे गए। इस दौरान 14 अन्य घायल हो गए। जिनको अस्पताल में भर्ती कराया गया है। एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

हेलमंद प्रोविंशियल काउंसिल प्रमुख अताउल्ला अफगान ने समाचार एजेंसी एफे को बताया कि प्रांत के नाहर-ए-सरज जिले में अफगान सुरक्षा बलों और तालिबान विद्रोहियों के बीच रात भर झड़प हुई। उन्होंने कहा कि हाईवे पर स्थित सुरक्षा चौकी पर तालिबान ने हमला कर दिया था।

उन्हें खदेड़ने के लिए पुलिस ने मोर्चा संभाला। उनके सहयोग के लिए अमेरिकी वायुसेना आगे आई, लेकिन गलती से अफगानी पुलिस पर ही हमला हो गया। हेलमंद प्रांत के गवर्नर के प्रवक्ता उमर जवाक ने इस घटना की पुष्टि करते हुए कहा कि इसकी जांच की जा रही है। उन्होंने बताया कि यह पता लगाया जा रहा है कि गलती किस जगहग से हुई।

तालिबान के एक प्रवक्ता ने समाचार एजेंसी एफे को अमेरिकी वायुसेना के हमले की पुष्टि करते हुए कहा कि इसमें उसके चार कमांडर मारे गए। इसके साथ ही 35 अफगानी पुलिसकर्मी भी मारे गए हैं।

पाकिस्तान से पूछा, आतंकियों पर हुई कार्रवाई कितनी गंभीर

तीखे सवाल ▶ पाक ने एफएटीएफ के समक्ष रखा अपना लेखा-जोखा

पाक ने कहा, गंभीरता से आतंकी संगठनों के अर्थतंत्र पर कर रहे प्रहार

इस्लामाबाद, प्रेट्र : आतंकी संगठनों के अर्थतंत्र पर कार्रवाई पर सरकार की कार्रवाई के बारे में पाकिस्तानी अधिकारियों से सीधे सवाल पूछे गए हैं। वित्त सचिव मुहम्मद यूनुस डाघा के नेतृत्व में चीन पहुंचे अधिकारियों ने हाल के महीनों में आतंकी संगठनों के खिलाफ कार्रवाई का लेखा-जोखा फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स (एफएटीएफ) के समक्ष रखा। बताया कि पाकिस्तान गंभीरता के साथ आतंकी संगठनों के अर्थतंत्र पर प्रहार कर रहा है।

एफएटीएफ की एशिया-प्रशांत शाखा की दो दिवसीय बैठक चीन के ग्वांग्झू शहर में गुरुवार को खत्म हुई है। बैठक में आतंकी संगठनों को प्रश्रय और आर्थिक मदद मिलने के बारे में पाकिस्तानी अधिकारियों से सवाल पूछे गए। पूछा गया कि पाकिस्तान ने आतंकी संगठनों के खिलाफ क्या कदम उठाए। मनी लॉड्रिंग (धन का अवैध रूप से देश में धन का आना-जाना) रोकने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं।

पाकिस्तान पहले से ही एफएटीएफ की ग्रे लिस्ट में है, ब्लैक लिस्ट में डाले जाने का खतरा उस पर मंडरा रहा है। ब्लैक लिस्ट में डाले जाने पर उसे अंतरराष्ट्रीय आर्थिक मदद मिलनी मुश्किल हो जाएगी, विदेशी पूंजीनिवेश के रास्ते में भी रुकावटें बढ़ जाएंगी। आर्थिक तंगी से जूझ रहे पाकिस्तान के लिए एफएटीएफ की ओर से कोई भी कड़ाई मुश्किल बढ़ाने वाली होगी।

समाचार पत्र डॉन के अनुसार बैठक में शामिल कुछ सदस्य देशों की तरफ से पाकिस्तान से बेहद कड़े सवाल पूछे गए। भारत के प्रतिनिधि ने कार्रवाई को लेकर पाकिस्तान की गंभीरता के बारे में जानना चाहा और कार्रवाई के असर के बारे में पूछा। तीन मई को भारतीय वित्त मंत्री अरुण जेटली ने साफ कर दिया था कि भारत एफएटीएफ से पूछेगा कि आतंकी अर्थतंत्र पर कार्रवाई में विफल रहने पर पाकिस्तान को ब्लैक लिस्ट में क्यों नहीं डाला जा रहा।

एशिया-प्रशांत शाखा इकाई जल्द ही अपनी रिपोर्ट एफएटीएफ के पेरिस स्थित कार्यालय में दाखिल करेगी। इस रिपोर्ट के आधार पर एफएटीएफ फैसला करेगा कि पाकिस्तान को ग्रे लिस्ट में बनाए रखना है या नहीं। ग्रे लिस्ट में आतंकी संगठनों की मदद करने वाले संदेहास्पद देश रखे जाते हैं और उन पर कार्रवाई के लिए दबाव डाला जाता है।

पाकिस्तान के एक गांव में 500 से अधिक लोग एचआइवी ग्रस्त

इस्लामाबाद, आइएएनएस : पाकिस्तान के एक गांव में एचआइवी पॉजिटिव लोगों का पता लगाने के लिए शुरू किए गए कार्यक्रम में चौंकाने वाले परिणाम सामने आए। अब तक की गई जांच में 400 से अधिक बच्चों और 100 वयस्कों को एचआइवी पॉजिटिव पाया गया। सिंध प्रांत में एड्स नियंत्रण कार्यक्रम के प्रमुख सिकंदर मेमन के हवाले से एक न्यूज एजेंसी ने बताया कि रातोडेरो गांव में 15,200 लोगों की जांच की गई। इसमें से 434 बच्चों और 103 वयस्कों को एचआइवी पॉजिटिव पाया गया। मेमन ने बताया कि इसकी बहुत अधिक संभावना है कि एक ही सिरिंज के दोबारा प्रयोग से यह फैला हो। उन्होंने कहा कि वह अपने आप में गंभीर मामला है, क्योंकि प्रभावित बच्चों की संख्या बहुत अधिक है। उन्होंने कहा कि इसमें शामिल सभी लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए। बता दें कि लोगों की शिकायत पर एचआइवी पॉजिटिव से प्रभावित एक स्थानीय डॉक्टर को पुलिस ने 27 अप्रैल को गिरफ्तार किया था। डॉक्टर अपने को बेगुनाह बता रहा है, लेकिन उसकी जांच चल रही है।

गलती से सीमा पार गए युवक को पाकिस्तान ने लौटाया

जागरण संवाददाता, पुंछ : जम्मू कश्मीर में गलती से नियंत्रण रेखा पार कर गुलाम कश्मीर चले गए पुंछ के झलास गांव के एक युवक को पाकिस्तान ने पांच माह बाद लौटा दिया है। जानकारी के अनुसार, 11 दिसंबर 2018 को इलियास मोहम्मद पुत्र मीर मोहम्मद निवासी झलास गलती से सीमा पार कर गुलाम कश्मीर चला गया था।

13 दिसंबर को सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ, जिसमें गुलाम कश्मीर के एक गांव में इलियास को मौजूद बताया गया था। इसके बाद से परिवार के सदस्य इलियास को वापस लाने के लिए प्रयास कर रहे थे। शुक्रवार को पाकिस्तानी सेना और गुलाम कश्मीर प्रशासन के अधिकारियों ने पुंछ के चकना दा बाग से गेट को खोलकर युवक को भारतीय सेना और प्रशासनिक अधिकारियों के हवाले कर दिया।

सेना ने इलियास को पुलिस के हवाले कर दिया है। पुलिस उससे पूछताछ कर रही है। अब जरूरी प्रक्रिया पूरी करने के बाद पुलिस युवक को उसके परिवार के सदस्यों के हवाले करेगी।

> सीमा पार गए युवक को पाकिस्तान की तरफ से लौटाने के बाद सेना ने उसे पुलिस के हवाले किया है। पुलिस कानूनी औपचारिकताएं पूरी कर रही है। इसके बाद उसे परिवार के सदस्यों के हवाले कर दिया जाएगा।
>
> -रमेश कुमार अंगराल, एसएसपी पुंछ

श्रीलंका में प्रिंसिपल और शिक्षक ईस्टर हमले में गिरफ्तार

- आत्मघाती हमले को अंजाम देने वाले आतंकी संगठन से संबंध रखने का शक

कोलंबो, प्रेट्र : श्रीलंका की पुलिस ने ईस्टर के मौके पर हुए आत्मघाती धमाकों में एक स्कूल के प्रिंसिपल और शिक्षक को गिरफ्तार किया है। इनकी गिरफ्तारी आतंकी संगठन आइएस से जुड़े नेशनल तौहीद जमात (एनटीजे) से संबंध रखने के शक में हुई है। श्रीलंका सरकार ने इसी आतंकी संगठन को गत 21 अप्रैल को तीन चर्चों और तीन लक्जरी होटलों पर हुए आत्मघाती हमलों के लिए जिम्मेदार ठहराया था। इन हमलों में करीब 260 लोग मारे गए थे।

स्थानीय मीडिया के अनुसार, पुलिस ने बताया कि 56 वर्षीय प्रिंसिपल और 47 साल के शिक्षक को गुरुवार को होरोवपतना शहर से गिरफ्तार किया गया। दोनों संदिग्धों की पहचान नूर मुहम्मद अद्दु उल और अजिबुल जबार के रूप में की गई है। उन्हें शुक्रवार को स्थानीय मजिस्ट्रेट अदालत में पेश किया गया। पुलिस को यह सूचना मिली थी कि दोनों के एनटीजे और इसके सरगना मुहम्मद जहरान हाशिम से सीधे संबंध थे। हाशिम ने ही हमलावरों का नेतृत्व किया था। उसने 21 अप्रैल को कोलंबो के शांगरी-ला होटल में खुद को उड़ा लिया था। आतंकी हमलों के बाद इस हफ्ते श्रीलंका में बड़े पैमाने पर सांप्रदायिक हिंसा हुई थी।

क्षतिग्रस्त मस्जिदों में पढ़ी गई नमाज

श्रीलंका में भारी सुरक्षा के बीच अल्पसंख्यक मुस्लिमों ने शुक्रवार की नमाज उन मस्जिदों में भी पढ़ी जिन्हें हिंसा के दौरान निशाना बनाया गया था। ईस्टर हमलों को लेकर कई मस्जिदों में तोड़फोड़ की गई थी। मौलवियों ने बताया कि क्षतिग्रस्त मस्जिदों से मलबा हटा दिया गया है और नमाज में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए।

मुलाकात: श्रीलंका में भारत के उच्चायुक्त तरनजीत सिंह संधू ने शुक्रवार को कैंडी में बौद्ध भिक्षु श्री सिद्धार्थ सुमंगला थेरो से मुलाकात की और उनका आशीर्वाद लिया ।एजेंसी

पगड़ी पहने सिख को न्यूयॉर्क के रेस्तरां में प्रवेश से रोका

न्यूयॉर्क, प्रेट्र : अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर स्थित हार्बर गिल रेस्तरां में 23 वर्षीय सिख युवक गुरविंदर ग्रेवाल को सिर्फ इसलिए प्रवेश नहीं दिया गया क्योंकि उन्होंने पगड़ी पहन रखी थी। ग्रेवाल पिछले शनिवार को अपने दोस्त से मिलने वहां पहुंचे थे। रेस्तरां के सुरक्षाकर्मी ने ड्रेस कोड संबंधी नए नियम का हवाला देते हुए उन्हें अंदर जाने से रोक दिया। इस नियम के तहत शुक्रवार और शनिवार की रात दस बजे के बाद कोई भी व्यक्ति अपना सिर ढककर रेस्तरां नहीं आ सकता।

इस घटना से आहत स्टूनी ब्रूक यूनिवर्सिटी के छात्र ग्रेवाल ने कहा, 'मैं हैरान हूं। इससे पहले पगड़ी के कारण मुझे कहीं भी जाने से नहीं रोका गया था। मैंने रेस्तरां के मैनेजर को समझाने की कोशिश भी कि यह पगड़ी मैंने केवल अपने धर्म का पालन करने के लिए पहनी है।' इस घटना पर सिख समुदाय व अन्य लोगों की नाराजगी के बाद रेस्तरां ने फेसबुक पर पोस्ट किया, 'हम माफी मांगते हैं। किसी भी धर्म या संप्रदाय के साथ भेदभाव हमारी नीति का हिस्सा नहीं है।' कुछ दिनों पहले भी एक अमेरिकी वेबसाइट द्वारा एक सिख मेयर की तस्वीरों के साथ छेड़छाड़ का मामला प्रकाश में आया था।

नेपाल में दो दिन के भीतर चार भारतीय पर्वतारोहियों की जान गई, एक युवक लापता

- माउंट एवरेस्ट से उतरते वक्त भारतीय सेना के जवान रवि ठक्कर ने तोड़ा दम
- कोलकाता के एक अन्य पर्वतारोही के बारे में नहीं लग रहा सुराग

काठमांडू, प्रेट्र : नेपाल में दो दिन में पर्वतारोहण के दौरान चार भारतीयों की मौत हो गई और एक लापता है। जान गंवाने वालों में भारतीय सेना के जवान रवि ठक्कर (28) भी शामिल हैं। रवि दुनिया की सबसे ऊंची चोटी माउंट एवरेस्ट को फतह करने के बाद नीचे उतर रहे थे। उन्हें शुक्रवार सुबह कैंप-4 में अपने टेंट में मृत पाया गया।

इसी कैंप में गुरुवार रात को दुनिया की पांचवीं सबसे ऊंची चोटी माउंट मकालू की सफल चढ़ाई के बाद नीचे लौट रहे भारतीय पर्वतारोही नारायण सिंह की मौत हो गई थी। इसी चोटी से उतर रहे कोलकाता के एक अन्य पर्वतारोही दीपांकर घोष (52) लापता हैं। 8,485 मीटर ऊंची मकालू चोटी नेपाल और तिब्बत की सीमा के बीच माउंट एवरेस्ट से 19 किलोमीटर दक्षिण-पूर्व में स्थित है।

इससे पहले बुधवार शाम को माउंट कंचनजंगा (8,586 मीटर) की चढ़ाई के दौरान दो भारतीयों बिप्लब बैद्य (48) और कुंतल करार (46) की मौत हो गई थी। अधिकारियों का कहना है कि पश्चिम बंगाल से ताल्लुक रखने वाले ये दोनों भारतीय अधिक ऊंचाई पर बने दबाव को झेल नहीं पाने के कारण बीमार हो गए थे। दुनिया की इस तीसरी सबसे ऊंची चोटी की चढ़ाई कर रहा चिली का एक पर्वतारोही भी बुधवार से लापता है।

नेपाल में हर साल मार्च से जून के बीच दुनियाभर से सैकड़ों पर्वतारोही माउंट एवरेस्ट और अन्य चोटियों की चढ़ाई के लिए आते हैं। चढ़ाई के दौरान अत्यधिक ठंड सहन नहीं कर पाने के कारण कइयों की मौत भी हो जाती है। माउंट एवरेस्ट की चढ़ाई के दौरान अब तक करीब 296 लोगों की मौत हो चुकी है।

पाक में भाईचारा बढ़ाने को मुस्लिमों को डिस्काउंट दे रहा सिख कारोबारी

पेशावर, प्रेट्र : पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिम कबायली जिले में एक सिख कारोबारी अशांत क्षेत्र में शांति और भाईचारे को बढ़ावा देने के लिए रमजान के पाक महीने में मुस्लिम रोजेदारों को विभिन्न वस्तुओं पर डिस्काउंट दे रहा है।

नरंज सिंह नामक इस सिख कारोबारी ने खैबर पख्तूनवा की जमरूद तहसील में दुकान खोली है। इस पर सरकार की मूल्य नियंत्रण समिति द्वारा निर्धारित कीमतों से कम कीमत पर विभिन्न वस्तुओं को बेचा जा रहा है। खाने की वस्तुओं को उनकी दुकान पर वास्तविक कीमत से 10 से 30 रुपये कम मूल्य पर बेचा जा रहा है। नरंज सिंह ने कहा कि वह इस काम को दान मानने के अलावा मुस्लिम और सिख समुदाय के बीच शांति और मेलजोल बढ़ाने वाला कदम मानते हैं।

पेशावर में रहने वाले ज्यादातर सिख ऐसे हैं जिनके परिवार पूर्व में विभिन्न संघ प्रशासित कबायली इलाकों में रहते थे और बाद में पेशावर में आकर कारोबार करने लगे। दरअसल, खैबर पख्तूनवा प्रांत के इस शहर में बाहरी इलाके स्कीम चौक में पिछले साल मई में जाने-माने धार्मिक सिख नेता और मानवाधिकार कार्यकर्ता चरणजीत सिंह की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी।

फ्रांस के चिकित्सक पर 17 मरीजों को जहर देने का आरोप

- नौ मरीजों की हो चुकी है मौत, शुरू हुई मामले की जांच

पेरिस, आइएएनएस : फ्रांस में एक चिकित्सक पर 17 मरीजों को जहर देने का आरोप लगा है। उसके खिलाफ जांच शुरू कर दी गई है। आरोपित चिकित्सक फ्रेडरिक पेचियर (47) एक एनेस्थेसियोलॉजिस्ट है। जहर देने के सात मामलों में उसके खिलाफ पहले ही जांच हो चुकी है। इस प्रकार के मामलों में कुल नौ लोगों की मौत भी हो चुकी है। गुरुवार को बीबीसी ने अपनी रिपोर्ट में यह जानकारी दी।

अभियोजन पक्ष का आरोप है कि पेचियर ने जानबूझकर अपने सहयोगियों के एनेस्थीसिया पाउच के साथ छेड़छाड़ की थी। वह आपात स्थिति पैदा करना चाहता था, जिससे अपनी दक्षता का प्रदर्शन कर सके। पेचियर ने इन आरोपों से इन्कार किया। हालांकि, अगर वह दोषी पाया जाता है तो उसे उम्रकैद हो सकती है।

आरोपित के वकील जीन-यवेस ली बोर्गन ने मीडिया को बताया कि जांच में कुछ भी साबित नहीं हुआ है। उन्होंने कहा, 'पेचियर ने उन्हें जहर दिया है, यह सिर्फ एक कल्पना है।' बेजंस के पूर्वी शहर में मई 2017 में एक जांच न्यायाधीश ने पेचियर पर जहर देने के लगे आरोपों में से सात की जांच के बाद उसे छोड़ दिया था। हालांकि, उसकी प्रैक्टिस पर रोक लगा दी गई थी।

कार्डिक अरेस्ट के 66 मामलों में इस सप्ताह हुई पूछताछ

इस सप्ताह पुलिस ने पेचियर से 66 कार्डिक अरेस्ट के मामलों में पूछताछ की। माना गया कि इन मरीजों को खतरा कम था, लेकिन इन्हें ऑपरेशन के दौरान कार्डिक अरेस्ट का सामना करना पड़ा। इनकी उम्र चार से 80 साल थी। आरोप है कि जब ऐसी घटनाएं होती थीं, तब अक्सर वह ऑपरेशन थियेटर के करीब होता था। पेचियर ने प्रेस कांफ्रेंस में कहा, 'इस जांच का चाहे कोई भी निष्कर्ष निकले, लेकिन मेरा करियर खत्म हो चुका है। आप उस चिकित्सक पर विश्वास नहीं कर सकते, जिस पर जहर देने का लेबल चस्पा हो... मेरा परिवार टूट चुका है और मैं अपने बच्चों के भविष्य को लेकर चिंतित हूं।'

विपक्ष ने ब्रेक्जिट के मुद्दे पर टेरीजा से वार्ता तोड़ी

कहा, कमजोर और अस्थिर सरकार से समझौते का कोई अर्थ नहीं

लंदन, रायटर : ब्रिटेन में राजनीतिक अस्थिरता के चलते ब्रेक्जिट को लेकर सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच की बातचीत टूट गई है। विपक्षी लेबर पार्टी के नेता जेरेमी कॉर्बिन ने कहा है कि सरकार की अस्थिरता के चलते उससे कोई बात नहीं की जा सकती। इसी के साथ ब्रेक्जिट (यूरोपीय यूनियन से अलगाव) को लेकर अनिश्चितता बढ़ गई है। तीन जून को संसद में पेश किए जाने वाले सरकार के प्रस्ताव के चौथी बार भी गिरने का खतरा पैदा हो गया है।

प्रधानमंत्री टेरीजा मे ने गुरुवार को जून में इस्तीफा देने पर सहमति जता दी थी। इसके बाद उनके उत्तराधिकारियों के नामों की चर्चा भी चल निकली। इससे ब्रेक्जिट प्रस्ताव पर चर्चा कर रहा विपक्ष समझौते के भविष्य को लेकर आशंकित हो उठा। लेबर पार्टी के नेता कॉर्बिन ने प्रधानमंत्री टेरीजा को पत्र लिखकर तीन अप्रैल को शुरू हुई बातचीत जारी न रख पाने की बात कही।

उन्होंने कहा कि वह सरकार और विपक्ष के बीच नीतियों के अंतर को दूर करने के लिए उपलब्ध नहीं हैं। दिग्गज समाजवादी नेता कॉर्बिन ने साफ कहा, सरकार की कमजोरी और अस्थिरता के कारण उसके किसी समझौते को क्रियान्वित कर पाने पर भरोसा नहीं किया जा सकता। इसलिए पार्टी अपने मूलभूत सिद्धांतों में कोई बदलाव नहीं करना चाहती। उन्होंने कहा, जून के पहले सप्ताह में ब्रेक्जिट पर संसद में आने वाले सरकार के प्रस्ताव का लेबर पार्टी विरोध करेगी। सत्तारूढ़ कंजरवेटिव पार्टी में भी सरकार के ब्रेक्जिट प्रस्ताव के कई विरोधी हैं। ऐसे में सरकार का प्रस्ताव एक बार फिर संसद में गिरने के आसार पैदा हो गए हैं।

कान में प्रियंका, दीपिका,कंगना ने खींचा लोगों का ध्यान

फ्रांस के 72वें कान फिल्म समारोह में शिरकत करने पहुंचीं मशहूर अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा।

कान, प्रेट्र: कान में फिल्मों के प्रदर्शन के मामले में भारत का प्रतिनिधित्व भले ही नहीं हो लेकिन भारतीय सुंदरियां प्रियंका चोपड़ा जोनस, कंगना रनौत और दीपिका पादुकोण महोत्सव के तीसरे दिन रेड कार्पेट पर अपने-अपने ब्रांड का प्रतिनिधित्व बखूबी करती नजर आयीं।

तीनों भारतीय अभिनेत्रियां अलग-अलग ब्रांड के प्रचार के सिलसिले में फ्रेंच रिवेरा पहुंचीं। कान में शिरकत के लिये तीनों अभिनेत्रियों ने बोल्ड लुक को चुना। कान में पहली बार शिरकत कर रहीं प्रियंका ने रॉबर्टो कैवेली के परिधान से लोगों का ध्यान खींचा। उन्होंने खूबसूरत विंटेज वेव्ज और सिल्वर चॉपर्ड ईयरिंग्स और अंगुठी से अपने लुक को पूरा किया। प्रियंका ने इंस्टाग्राम पर अपनी उसी दिन की और भी तस्वीर साझा की। 'क्वांटिको' की अभिनेत्री ने इस बार सऊदी डिजाइनर होनैडा का डिजाइन किया सफेद रंग का परिधान पहना था। दीपिका कान में 'लॉरियल पेरिस' कॉस्मेटिक ब्रांड का प्रतिनिधित्व कर रही हैं। दीपिका को फैशन के मामले में परिधान के सधे चयन के लिये जाना जाता है, लेकिन 2019 के कान महोत्सव में पहली बार वह अपनी इस धारणा को तोड़ती नजर आई हैं।

बॉलीवुड अभिनेत्री ने इसके लिये पीटर डुंडास का ऑफ व्हाइट रंग का परिधान चुना। अभिनेत्री अपने मेकअप के साथ भी प्रयोग करती नजर आयीं, उन्होंने अपनी आंखों में गहरा काजल भर कर उसे तीखा नक्श दिया और सिर पर ऊंची पोनीटेल चोटी की। डुंडास ने अपने इंस्टाग्राम पर अभिनेत्री की तस्वीर पोस्ट की और उनके पूरे लुक के बारे में संक्षेप में जानकारी दी। तस्वीर के साथ उन्होंने लिखा, 'दीपिका लव'। बहरहाल अपनी समकालीन अभिनेत्रियों से अलग कंगना ने 'देसी' लुक को अपनाया और वह माधुर्य क्रियेशंस की सुनहरी कांजीवरम साड़ी में नजर आईं।

प्रसिद्ध कान फिल्म समारोह में शिरकत करने फ्रांस पहुंचीं बॉलीवुड अभिनेत्री दीपिका पादुकोण ने रेड कारपेट पर अपनी अदाओं को जलवा बिखेरा।

ब्रिटेन के रेस्तरां ने गलती से परोसी चार लाख रुपये से ऊपर की वाइन

- मांस का कारोबार करने वाली कंपनी हॉक्समूर के मैनचेस्टर स्थित एक रेस्तरां का मामला
- गलती मानते हुए रेस्तरां ने जहां ग्राहक से अतिरिक्त पैसे नहीं लिए, वहीं अपने कर्मचारी पर भी पेनाल्टी नहीं लगाई

लंदन, आइएएनएस: क्या कभी आपके साथ ऐसा हुआ है कि आप रेस्तरां गए हों और आपने साधारण कीमत की कोई चीज आर्डर की हो और गलती से आपको उससे काफी महंगी चीज परोस दी गई हो। ब्रिटेन में एक ऐसा ही मामला प्रकाश में आया है। जहां पर एक ग्राहक को चार लाख रुपये से ऊपर के कीमत की वाइन की एक बोतल परोस दी गई। सबसे खास बात यह रही कि रेस्तरां ने इसे गलती मानते हुए जहां ग्राहक से कोई अतिरिक्त पैसे नहीं लिए, वहीं अपने कर्मचारी पर भी किसी तरह की पेनाल्टी नहीं लगाई।

एक पीआर कंपनी ने सीएनएन को गुरुवार को बताया कि मांस का कारोबार करने वाली कंपनी हॉक्समूर के मैनचेस्टर स्थित एक रेस्तरां में एक ग्राहक ने 2001 की बनी एक वाइन की बोतल आर्डर की थी। इसकी कीमत मेनू कार्ड पर 335 डॉलर (करीब साढ़े 23 हजार रुपये) थी। दरअसल, उस दिन रेस्तरां में भीड़ बहुत थी और इसी दौरान यहां काम करने वाले कर्मचारी से यह छोटी सी गलती हो गई।

कर्मचारी ने उसी वर्ष की बनी एक अत्यधिक कीमत वाली बोतल उठाई और बाहर जाकर उस ग्राहक को दे दी। वाइन की बोतल की कीमत से बेखबर ग्राहक उसका आनंद लेने लगा। इसी बीच रेस्तरां के एक मैनेजर की बोतल पर नजर पड़ी तो उसे गलती का अहसास हुआ।

बाद में रेस्तरां ने ट्वीट करके कहा, 'ग्राहक को गलती से उस वर्ष की बनी अत्यधिक कीमत वाली वाइन परोस दी गई। उम्मीद है कि उन्होंने अपनी शाम का आनंद लिया होगा।' रेस्तरां ने इसके अलावा दोनों वाइन की बोतल की एक तस्वीर भी ट्वीट की और कहा है कि देखिए दोनों बोतलों में कितनी समानता है। बता दें कि ग्राहक को जो वाइन परोसी गई है वह रेस्तरां चेन चलाने वाली कंपनी हॉक्समूर की सबसे महंगी वस्तुओं की सूची में सबसे ऊपर है।